पाठ 14. बबीता का पपीता

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ 'पपीता' फल के संबंध में जानकारी देने वाली एक कहानी के रूप में है। इस पाठ का उद्देश्य बच्चों को पपीता फल के आकार, स्वाद, बनावट आदि से परिचित कराना है। साथ ही पपीता के पेड़ और फल के जैसे दिखने वाले अन्य पेड़ों और फलों के बारे में भी बताना है।

पाठ का सारांश

बबीता एक छोटी लड़की है। उसने अपने घर की बगिया में एक छोटा-सा पौधा लगाया। धीरे-धीरे वह पौधा बड़ा होता गया। पेड़ बहुत लंबा था तथा उसके पत्ते बहुत बड़े-बड़े थे। बबीता की माँ और पिता जी को लगा कि वह खजूर का अथवा ताड़ का पेड़ है। बबीता ने कहा कि यह पपीते का पेड़ है। पेड़ के ऊपरी सिरे पर हरा-हरा पपीता लगा हुआ था। थोड़े दिनों में वह फल बड़ा हो गया। माँ ने कहा कि यह पेठे जितना बड़ा हो गया। पिता जी ने कहा कि यह कद्दू जितना मोटा हो गया। बबीता बोली कि यह पपीता है बड़ा-सा हरा-हरा और कच्चा पपीता। जब पपीता पककर पीला हो गया तब सबने कहा अब इसे तोड़ लेना चाहिए। पपीता तोड़ने के लिए एक बड़ी मेज़ पर एक छोटी तिपाई रखी गई, उसपर पिता जी चढ़े और पिता जी के कंधों पर चढ़ी बबीता। बबीता ने पपीता तोड़ा। पिता जी ने पपीता धोकर काटा। सबने मिलकर पपीता खाया। पड़ोसियों ने भी पपीता खाया। सभी को बबीता का पपीता बहुत अच्छा लगा। बबीता ने पड़ोसियों को पपीते के काले-काले बीज बाँटे।

अध्यापन संकेत

यह पाठ पेड़-पौधों के रंग-रूप, आकार-प्रकार आदि के बारे में संक्षिप्त जानकारी से भरा हुआ है। बच्चों से पूछें, वे कौन-कौन से फल खाना पसंद करते हैं। उन्हें एक जैसे दिखने वाले पेड़ों के बारे में बताएँ। उन्हें बताएँ कि पपीते का पेड़ बहुत ऊँचा होता है। पपीते की तरह नारियल तथा खजूर का पेड़ भी बहुत ऊँचा होता है। कद्दू भी आकार एवं रंग आदि में पपीते की ही तरह लगता है। कद्दू को सीताफल, पेठा आदि भी कहते हैं। इससे पेठा मिठाई भी बनती है तथा इसकी सब्ज़ी भी बनाई जाती है।

बच्चों से पूछें तथा उन्हें समझाएँ–

- ❖ क्या उनके घर में पेड़-पौधे हैं? यदि हैं तो उनकी देखभाल कौन करता है?
- ❖ बच्चों को बीज से पेड़ बनने तक की संक्षिप्त प्रक्रिया समझाएँ।
- ❖ उन्हें बताएँ कि पपीते की तरह अधिकांश फल जब कच्चे होते हैं तब हरे रंग के होते हैं तथा जब पक जाते हैं तो पीले रंग के हो जाते हैं। जैसे– आम, केला, अमरूद आदि।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।